

8,36. विमुक्तैः तमो ५, 5, 2, 4, 11, 7. उद्घाटितमः कपाटद्वारे चित्ते 6, 9, 32. (नमः) स्वर्गपर्वगद्गारय 4, 24, 37. द्वारमिवार्थसिद्धे: RAGH. 2, 21. अत्रेहा अयावत् द्वारमापदा मम वेधसा KATHAS. 21, 118. विपदश्च निवृत्ता मे द्वारप्रति-
कृता इव 121. BHART. 3, 34. KĀM. NĪTIS. 5, 74. कृतवागद्गारे वंशे ऽस्मिन्पू-
र्वसूरिभिः RAGH. 1, 4. कान्यवतिष्ठद्गाराणि मार्गायावर्जन्मनाम् *welche Mittel ergriff er um den Weg zu bahnen für?* BŪG. P. 3, 20, 1. आद्यके-
तुता तद्द्वारा *hierdurch vermittelt* KAP. 1, 75. कामप्राप्तिश्चार्थद्वारेव SĀB. D. 2, 2. प्राणद्वारत्वात्तदुपकारस्य ÇĀM. zu BRH. ĀR. Up. p. 101. कच्छे-
त्सष्टा: पोषणा-यागताश्च द्वारे रतैर्गोविशेषा: प्रशस्ता: *hierdurch* MBH. 13, 3515. आश्रयेत्पार्थिवं विद्वान्स्त्वद्वारेण ना-यया *dadurch* PĀNĀT. 1, 52. आतद्द्वारेण *wie es sich gebührt* ÇĀM. zu ÇĀM. 97. एष ते पश्चिमो मार्गो दिग्द्वारेण प्रकीर्तितः *nach den Weltgegenden* MBH. 5, 3820. धर्मशान्त्र-
द्वारेणास्माकं निर्णयं देहि *nach den Rechtsbüchern* PĀNĀT. 166, 17. द्वा-
रेण *vermittelst, durch am Ende eines comp.: वैरं* PĀNĀT. 136, 23. 23, 2. PRAB. 28, 3. 104, 8. Schol. zu P. 2, 1, 69. 8, 2, 19. 4, 9. SĀB. D. 1, 13. 5, 19. Ueber die 6 Dvāra oder Mittel zum erwünschten Ziele zu ge-
langen bei den Māheçvaras. COLEBR. MISC. ESS. I. 408. — 2) द्वारी f. Thür ÇĀNEB. ÇA. 17, 4, 2. 3. — Vgl. अद्वार, wozu noch folgende Stellen ge-
fügt werden können: पीडितस्य किमद्वारम् MBH. 13, 4749. अद्वारतः प्रद-
वति यदा भवति पीडितः 4750. 4, 810.

द्वारक 1) = द्वारः संकटद्वारकाणि स्युहकृत्सार्थे पुरस्य च MBH. 12, 2639. कथं प्राणद्वारको ऽनक्ततो वागादीनामुपकारः *vermittelt durch* ÇĀM. zu BRH. ĀR. Up. p. 101. — 2) f. आ *die Stadt mit vielen Thoren*, N. pr. der Residenz Kṛṣṇa's an der Westspitze von Guzerat, welche das Meer verschlungen haben soll, TRIK. 2, 1, 14. H. 890. द्वारका द्वारमालि-
नी HARIV. 7662. 8369. MBH. 1, 7899. fgg. 16, 136. fgg. VP. 566. 613. BHĀG. P. 1, 8, 8. RĪGĀ-TAR. 4, 160. ०माकृत्य aus dem SKANDA-P. Verz. d. Oxf. H. No. 124. द्वारकेश (द्वारका + ईश) m. Bein. Kṛṣṇa's ÇĀNDAR. im ÇKDr. Auch द्वारिका H. 980, Sch. ÇĀNDAR. im ÇKDr.; vgl. द्वारवती, द्वारवती, द्वार्वती.

द्वारकण्टक (द्वार + कं) m. Thürriegel HĀN. 207. Thürflügel (!) TRIK. 2, 2, 10. ÇĀNDAR. im ÇKDr.

द्वारकपाट (द्वार + कं) Thürflügel VJUTP. 131.

द्वारकादास (द्वार + दास) m. N. pr. eines Mannes Verz. d. B. H. No. 495.

द्वारता f. nom. abstr. von द्वार Thor, Eingang, der Weg zu: रत्ततो द्वारतामगमदत्तकस्य *erschloss dem Tode den Weg zu den Rakshas* RAGH. 11, 18. कुशलद्वारतया 8, 87.

द्वारदर्शिन् (द्वार + दृ) m. Thürsteher (der nach der Thür sieht) R. 2, 42, 28 (Gonn. 41. 25).

द्वारदातु m. ein best. Baum, = वरदातु, भूमिसक् BHĪVAPR. im ÇKDr.

द्वारदारु (द्वार + दारु) Tectona grandis NIGH. PR.

द्वारनायक (द्वार + ना) m. Thürhüter, Kämmerer RĪGĀ-TAR. 6, 325.

द्वारप (द्वार + प) m. Thürhüter BHĀG. P. 4, 18 33. विष्णुर्वै देवानो द्वा-
रपः AIR. B. 1, 30. स्वर्गस्य लोकस्य द्वारपाः KĀND. Up. 3, 13, 6.

द्वारपट्ट (द्वार + पट्ट) m. Thürbrett, Thürfläche KATHAS. 7, 72. Thürvor-
hang BROCKHAUS.

द्वारपति (द्वार + पति) m. 1) Thürhüter, Kämmerer MBH. 3, 10623. RĪ-
GĀ-TAR. 6, 179. — 2) N. pr. eines Reiches (?) HIOUN-THSANG II, 83; hier
III. Theil.

द्वारपति mit einem Fragezeichen, im Index द्वारं mit demselben
Zeichen.

द्वारपाल (द्वार + पाल) m. 1) Thürhüter AK. 2, 8, 4, 6. MBH. 3, 10624. 12, 9658. 12239. HARIV. 6804. 14461. PĀNĀT. 29, 6, 7. BHĀG. P. 1, 18, 34. Schol. zu KĀTJ. ÇA. 16, 6, 7. wohl Grenz-wächter MBH. 2, 1045. ०पाली f. gāṇa रेवत्यादि zu P. 4, 1, 146. — 2) Beiw. verschiedener Jakscha und mit solchen in Verbindung stehender heiliger Localitäten: ततो मङ्गुणकं नाम द्वारपालं मङ्गुबलम् । यत्नं समभिव्याधिव MBH. 3, 5079. अभिव्याध त-
तो यत्नं द्वारपालं मचक्रुक्म् (als Localität 3, 7078. 9, 8032) 7070. ततो ग-
च्छेत् राजेन्द्र द्वारपालं तरण्डकम् । तच्च तीर्थं सरस्वत्या यत्नेन्द्रस्य मङ्ग-
त्मनः 6022. ततो गच्छेत् — द्वारपालं तरन्तुक्म् 5085. द्वारपालं च तरसा
वशे चक्रे 2, 1194.

द्वारपालक (द्वार + पा) m. Thürhüter H. 721. ÇĀNDAR. im ÇKDr.

द्वारपालिकं m. metron. von द्वारपाली gāṇa रेवत्यादि zu P. 4, 1, 146.

द्वारपिण्डी (द्वार + पिण्ड) f. Thürrschwelle ÇĀNDAR. im ÇKDr.

द्वारपिधान (द्वार + पि) m. Riegel am Thor ÇAT. BR. 11, 1, 4, 1. द्वारपि-
धान Schol. zu KĀTJ. ÇA. 26, 7, 56.

द्वारबलिभुज् (द्वार - बलि + भुज्) m. Ardea nivea (das vor der Thür aus-
gestreute Opfer verzehrend) TRIK. 2, 5, 24.

द्वारबाहु (द्वार + बाहु) m. Thürpfosten LĀTJ. 1, 3, 1. 2, 3, 9.

द्वारयत्न (द्वार + यत्) n. Thürriegel H. 1005.

द्वारवत् (von द्वार) adj. reich an Thoren (Thüren); f. ०वती N. pr. der
Residenz Kṛṣṇa's (vgl. द्वारका) TRIK. 2, 1, 15. H. 980. MBH. 2, 553. HA-
RIV. 647. 1967. 6372. 6418. 6360. ०निर्माण Titel des 116ten Adhj. —
R. 4, 43, 6. RĪGĀ-TAR. 4, 509. fg. BHĀG. P. 1, 12, 37. — Vgl. द्वार्वती, मूल-
द्वार्वती, लघु०.

द्वारवृत्त (द्वार + वृत्त) n. schwarzer Pfeffer H. c. 100.

द्वारशाखा (द्वार + शा) f. Thürflügel ÇĀNDĀRTHAK. bei WILS. VJUTP. 131.

द्वारस्तम्भ (द्वार + स्त) m. Thürpfosten ÇĀNDĀRTHAK. bei WILS.

द्वारस्थ (द्वार + स्थ) adj. f. आ an der Thür stehend; m. Thürsteher
H. 721. HARIV. 8743. KATHAS. 18, 116. PĀNĀT. 193, 11. 15, 25. INDR. 3, 17.

द्वाराधिप (द्वार + अधिप) m. Thürhüter, Kämmerer RĪGĀ-TAR. 3, 213.

द्वाराध्यत (द्वार + अद्यत) m. dass. MBH. 9, 1638. R. 4, 20, 5.

द्वारापिधान s. u. द्वारपिधान.

द्वारवती f. = द्वार्वती H. 980, v. I. BRŪTAÇUDDHIT. im ÇKDr. VĪ-
RĀHA-P. in Verz. d. B. H. 144, 13.

द्वारिक (von द्वार) m. 1) Thürhüter SĪRAS. zu AK. 2, 8, 4, 6. ÇKDr.
राजं PĀNĀT. III, 85. — 2) N. pr. eines der 18 Diener des Sonnengottes
Vjāpi beim Schol. zu H. 103. — द्वारिका s. u. द्वारक.

द्वारिन् (wie eben) m. Thürhüter ÇĀNDAR. im ÇKDr. MBH. 1, 4906. Mit
einem neutr. als neutr. auftretend SĀMĀHAK. 35.

द्वार्य (von द्वार oder द्वार) 1) adj. zur Thür gehörig, an der Thür be-
findlich: स्थूणा ऀच. ÇA. 4, 13. गर्तं ÇĀNEB. GRHJ. 3, 2. LĀTJ. 1, 7, 3. 16.
रामि) शालाद्वार्य (hier gehört dass suff. zum comp. शालादा) KĀTJ. ÇA.
8, 3, 29. 6, 23. 34. — 2) f. आ (näml. स्थूणा) Thürpfosten ऀच. ÇA. 3, 11.
KĀTJ. ÇA. 8, 4, 18. 24. 9, 3, 20. PĀR. GRHJ. 2, 9.

द्वार्वत् (von द्वार) adj. reich an Thoren; f. ०वती = द्वार्वती BHĀG. P.
3, 3, 19.